A–0466

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

CCIKS–102

ज्ञान मीमांसा

Examination, 2026 (Feb.)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×26=52

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अनुबन्ध चतुष्टय का स्वरूप एवं प्रयोजन स्पष्ट कीजिए।

2. आस्तिक दर्शनों का संक्षिप्त परिचय लिखिए।

3. वैदिक आख्यान परम्परा का वर्णन कीजिए।

4. वैदिक संवादों की विशेषताएँ लिखिए।

5. प्रमाणों के विकास क्रम को लिखिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×12=48

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. चार्वाक दर्शन का वर्णन कीजिए।

2. प्रामाण्यवाद पर प्रकाश डालिए।

3. वाद परम्परा का स्परूप एवं महत्व प्रतिपादित कीजिए।

4. आख्यान परम्परा में कथा का स्थान निरूपित कीजिए।

5. प्रत्यक्ष एवं अनुमान प्रमाणों का परिचय दीजिए।

6. अधिकरण की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

7. भारतीय ज्ञान परम्परा में आख्यानों की महत्ता प्रतिपादित कीजिए।

8. बौद्ध दर्शन पर प्रकाश डालिए।

****